

उत्तरांचल शासन
चिकित्सा अनुभाग-2
संख्या : 1519/चि-2-2002-223/2002
दिनांक : 07 नवम्बर, 2002

अधिसूचना
प्रकीर्ण

चूंकि उत्तर प्रदेश पुर्नगठन अधिनियम, 2000 की धारा 87 के अधीन, उत्तरांचल शासन, उत्तरांचल के सम्बन्ध में लागू विधि को, आदेश द्वारा, निरसन के रूप में, ऐसे अनुकूलन व उपान्तरण कर सकती है जो आवश्यक व समीचीन हो;

तथा चूंकि उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 के सभी प्रावधान उत्तर प्रदेश पुर्नगठन अधिनियम, 2000 की धारा 86 के अधीन उत्तरांचल राज्य में प्रभावी है;

अतः अब उत्तर प्रदेश पुर्नगठन अधिनियम, 2000 (अधिनियम संख्या 29 सन् 2000) की धारा 87 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री राज्यपाल सहर्ष निर्देश देते हैं कि उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 निम्नलिखित प्रावधानों के अध्वधीन उत्तरांचल में लागू रहेगा :-

उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926) अनुकूलन व उपान्तरण आदेश, 2002

1. संक्षिप्त नाम व शीर्षक -
 - (1) यह आदेश उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926) अनुकूलन व उपान्तरण आदेश कहलायेगा।
 - (2) यह तत्कालिक प्रभाव से लागू होगा।
2. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 में "उत्तर प्रदेश" के स्थान पर "उत्तरांचल" आदि पढ़ा जाना :- नियमावली में जहां शब्द 'उत्तर प्रदेश', 'इम्पीरियल बैंक' व 'लखनऊ' आया हो क्रमशः 'उत्तरांचल', 'स्टेट बैंक आफ इन्डिया' व 'देहरादून' पढ़ा जायेगा।
3. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 के भाग दो (ii) के उपबन्ध अपसारित समझे जायेंगे।
4. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 में रूल्स का भाग तीन (iii) जो नर्स तथा मिडवाइफ के परीक्षा से सम्बन्धित है, शब्द मिडवाइफ, सर्टिफिकेटेड नर्स व सर्टिफिकेटेड मिडवाइफ अपसारित समझे जायेंगे।

भाग - 3

1. सामान्य नियम

1. (क) नर्सों की भर्ती की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टरमीडिएट विज्ञान को वरियता दी जायेगी। न्यूनतम शैक्षिक योग्यता समय-समय पर वह होगी जो उस समय पर इन शिक्षाओं हेतु नर्सिंग काउन्सिल (भारत) द्वारा निर्धारित की गई होगी। भर्ती विभिन्न प्रदेश की नर्सिंग तथा मिडवाइफरी शिक्षण संस्थाओं में प्रतिवर्ष, उन अभ्यर्थियों (राज्य सरकार की आरक्षण नीति अनुसार) की दो बार जून तथा दिसम्बर में महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा, प्रवेश हेतु लिये गये परीक्षा साक्षात्कार के परिणाम स्वरूप आरक्षित/अनारक्षित वर्गों में मेरिट क्रमांक के अनुसार होगी।
(ख) 'सर्टिफिकेटेड मिडवाइफ' शब्द अपसारित समझा जायेगा।
2. (क) प्रस्तर-2 में 'सर्टिफिकेटेड नर्स' शब्द अपसारित समझा जायेगा।
(ख) नर्स की श्रेणी एक होगी।
3. प्रस्तर-3 में डिप्लोमा मिडवाइफरी की समय सीमा प्रशिक्षित नर्स के लिये 6 माह की होगी। 'मिडवाइफरी डिप्लोमा धारक' शब्द अपसारित समझा जायेगा।
4. प्रस्तर-5 में 'सर्टिफिकेटेड नर्स' तथा 'मिडवाइफ सर्टिफिकेटेड' शब्द अपसारित समझा जायेगा।
5. नियमों के प्रस्तर-6 में परीक्षक पारितोषिक वर्तमान हेतु निम्न होगी-
प्रत्येक पेपर बनाने हेतु ₹0 1000.00
प्रत्येक कापी जांचने हेतु ₹0 25.00
प्रत्येक मौखिक परीक्षा तथा
प्रेक्टिकल परीक्षा हेतु क्रमशः ₹0 25 तथा ₹0 75 प्रति व्यक्ति होगी
6. प्रस्तर-8 में नर्स तथा मिडवाइफरी के प्रशिक्षण हेतु निम्न चिकित्सालय नामित समझे जायेंगे :-

क्रम सं०	चिकित्सालय का नाम जनपद
1.	दून महिला चिकित्सालय
2.	अल्मोड़ा जिला महिला चिकित्सालय
3.	हल्द्वानी महिला चिकित्सालय
4.	पिथौरागढ़ जिला महिला चिकित्सालय
5.	चमोली जिला चिकित्सालय
6.	एस०पी०एस० चिकित्सालय ऋषिकेश
7.	नैनीताल जिला महिला चिकित्सालय

7. प्रस्तर-9 में जहां-जहां शब्द 'मैट्रन' आया है 'मैट्रन/सहा-मैट्रन' पढ़ा जायेगा।

8. प्रस्तर 10 में प्रति अभ्यर्थी परीक्षा फीस निम्न होगी-

नर्सों के प्रथम वर्ष परीक्षा हेतु	-	500.00
नर्सों के अन्तिम वर्ष परीक्षा हेतु	-	500.00
डिप्लोमा मिडवाइफरी परीक्षा हेतु	-	500.00
पुरुषों की बीमारी हेतु परीक्षा	-	500.00
किसी डिप्लोमा के द्वितीय प्रति हेतु	-	500.00

9. प्रस्तर-12 में 'सर्टिफिकेशन' शब्द अपसारित समझा जायेगा।

10. प्रस्तर-13 के (ग) में नर्सिंग कोर्स हेतु प्रथम पी0टी0एस0 प्रशिक्षण तीन माह के उपरान्त परीक्षा तत्पश्चात उत्तीर्ण होने पर कैंपिंग (प्रत्येक अभ्यर्थी को पी0टी0एस0 परीक्षा उत्तीर्ण करने का दो अवसर उपलब्ध होंगे परन्तु जो अभ्यर्थी दो बार में परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेगा उसे नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा)। अभ्यर्थी प्रथम वर्ष की परीक्षा में 12 माह अध्ययन तथा अस्पतालों में प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद सम्मिलित हो सकेगा।

11. नियमों के प्रस्तर 15 के (ख) में द्वितीय नर्सिंग की परीक्षा विभिन्न प्रकार की अस्पताल में कार्य का प्रशिक्षण तथा तीसरे वर्ष की प्रयोगात्मक प्रशिक्षण व पढ़ाई पूर्ण करने के उपरान्त होगी।

12. प्रस्तर-21 (क) तथा (ख) 'अभ्यर्थी ने तीन साल का जनरल नर्सिंग का डिप्लोमा किया हो' वाक्य छोड़कर शेष उपबन्ध अपसारित समझा जायेगा।

13. प्रस्तर-24 अपसारित समझा जायेगा।

5. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 में भाग चार (iv) अपसारित समझा जायेगा।

6. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 का भाग पांच (v) जो रेडियोलोजिकल (एक्स-रे) टेकनिशियन (रेडियोग्राफर्स) व लेबोरेट्री टेकनिशियन के संबंध में निम्नवत पढ़ा जायेगा :-

1. नियम के प्रस्तर (1) में लेब टेकनिशियन की प्रावधिक अर्हता जो किसी क्लीनिकल पैथोलोजिस्ट या चिकित्सक के अधीन कार्य करने मात्र से मिलने के प्राविधान को अपसारित समझा जायेगा।

2. नियम के प्रस्तर (2) परिशिष्ट में उपलब्ध रेडियोग्राफर्स व लेबोरेट्री टेकनिशियन हेतु प्रवेश आवेदन पत्र मात्र सीधे सचिव, उत्तरांचल स्टेट मेडिकल फेकल्टी, देहरादून को भेजा जाएगा। समस्त आवेदन पत्रों के प्राप्ति

के बाद महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल उपरोक्त पाठ्यक्रमों हेतु यदि आवश्यक हो तो परीक्षा उपरान्त (लिखित/मौखिक अथवा लिखित व मौखिक) प्राप्तांक के आधार पर सामान्य सीट व आरक्षित सीट पर मेरिट सूची तैयार करेंगे। जिसके आधार पर विभिन्न संस्थाओं में प्रवेश दिया जाएगा।

3. प्रस्तर (5) लेबोरेटरी टेकनिशियन की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता इन्टर साईंस होगी।
4. प्रस्तर (6) में रेडियोग्राफर्स (एक्स-रे टेकनिशियन) रेडियोलोजिकल टेकनिशियन तथा लेबोरेटरी टेकनिशियनर्स का शिक्षण व प्रशिक्षण राज्य के मेडिकल कालेजों (जो मेडिकल काउन्सिल आफ इण्डिया तथा उत्तरांचल राज्य चिकित्सा संकाय द्वारा मान्यता प्राप्त हो) द्वारा शासन द्वारा निर्धारित सीटों के आधार पर जिला चिकित्सालय, देहरादून तथा बेस अस्पताल, हल्द्वानी के संसर्ग (Conjunction) में दिया जाना होगा।
5. प्रस्तर (7) में रेडियोग्राफर (एक्स-रे टेकनिशियन) तथा लेब टेकनिशियन की काशन मनी (Caution Money) प्रति व्यक्ति भर्ती के वर्ष रुपये दो हजार (2000.00 रुपये) होगी जो सफल प्रशिक्षणोपरान्त अभ्यर्थी द्वारा प्रशिक्षण संस्थाओं से अदेयता प्रमाण पत्र के दिये जाने के आधार पर लौटायी जायेगी, जो पाठ्यक्रम हेतु मेडिकल कालेजों द्वारा निर्धारित पाठ्य शुल्क के अतिरिक्त होगी।
6. 2 वर्षों में होने वाली प्रति परीक्षा में प्रति अभ्यर्थी परीक्षा शुल्क रुपये पाच सौ (500/- रुपये) होगी जो राज्य चिकित्सा संकाय को दी जायेगी। राज्य चिकित्सा संकाय परीक्षा संचालित करेगी तथा डिप्लोमा देगी।
7. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 का भाग छ: (vi) अपसारित समझा जायेगा।
8. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 का भाग सात (vii) जिसके द्वारा 'हेल्थ विजिटर्स' के ढाई वर्ष (2½) का पाठ्यक्रम आदि वर्णित है को निम्न रूप से पढ़ा जायेगा :-

जिन महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता द्वारा आकजीलरी नर्स मिडवाइफ का कोर्स कर लिया गया हो तथा जो अपने पाठ्यक्रम (जो वर्तमान में नर्सिंग काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा स्थापित तथा 1977 में संशोधित हुई है, व जैसा भी होगा) के अतिरिक्त न्यूनतम 5 वर्ष की सरकारी सन्तोषजनक सेवा पूर्ण कर ली हो अथवा जिस तरह का क्रम महानिदेशक द्वारा निर्धारित किया जायेगा उन्हें छ: (6) माह की अतिरिक्त पढ़ाई व ट्रेनिंग जैसा निर्धारित होगा करने के उपरान्त हेल्थ विजिटर्स का डिप्लोमा दिया जायेगा। सीधे हेल्थ

विजिटरर्स पाठ्यक्रमों में प्रवेश महानिदेशक/शासन के अग्रिम आदेशों तक बन्द रहेगा।

9. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 का भाग आठ (viii) अपसारित समझा जायेगा।
10. उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 के भाग नौ (ix) में आक्जीलरी नर्स मिडवाईफ (बेसिक महिला हेल्थ वर्कर) की शैक्षिक अर्हताएं, भर्ती हेतु व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निम्न होगी :-

बेसिक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ती (ए0एन0एम0) की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल होगी (विद्ययाविनोदनी मान्य नहीं) यदि अभ्यार्थी ने विद्ययाविनोदनी परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा बाद में इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है तो उसे चयन हेतु स्वीकार किया जाना होगा।

प्रशिक्षण का समय 18 माह (एक साल छः महिने) का होगा। वर्ष में प्रशिक्षण में दो बार प्रवेश दिया जायेगा।

प्रशिक्षण की सारिणी निम्न प्रकार से होगी

1.

क्र. सं.	सेमिस्टर	थ्योरी केन्द्र पर	अस्पताल व्यावहारिक प्रशिक्षण	फील्ड व्यवहारिक प्रशिक्षण
1.	प्रथम	बैच जनवरी 1 से 28 फरवरी तक	1 मार्च से 30 अप्रैल तक	1 मई से 30 जून तक
		बैच जुलाई 1 से 31 अगस्त तक	1 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक (सामान्य चिकित्सालय में)	1 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक

पढ़ाये जाने वाले विषय

- | | | |
|-----|--|----------------------|
| 1. | एनाटोमी फिजियोलोजी | 60 घन्टे |
| 2. | माइक्रोबायोलोजी | 15 घन्टे |
| 3. | इंट्रोडकशन टू नर्सिंग तथा नर्सिंग प्रोसीजर | 15 घन्टे
45 घन्टे |
| 4. | हाईजीन | 30 घन्टे |
| 5. | चाइल्ड हेल्थ | 30 घन्टे |
| 6. | मैटरनल हेल्थ | 15 घन्टे |
| 7. | डोमीसिलियरी मिडवाईफरी | 15 घन्टे |
| 8. | हेल्थ एजुकेशन | 30 घन्टे |
| 9. | कम्यूनिकेशन स्किल व ए0वी0 एडर्स | 15 घन्टे |
| 10. | इंट्रोडकशन टू फेमिली एण्ड कम्यूनिटि हेल्थ | 15 घन्टे |

2.

क्र. सं.	सेमिस्टर	थ्योरी केन्द्र पर	अस्पताल व्यावहारिक प्रशिक्षण	फील्ड व्यवहारिक प्रशिक्षण
2.	द्वितीय	बैच जनवरी, 1 जुलाई से 31 अगस्त तक बैच जुलाई, 1 जनवरी से 28 फरवरी तक	1 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक 1 मार्च से 31 अप्रैल तक (महिला चिकित्सालय में)	1 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक 1 मई से 30 जून तक (निर्धारित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र)

पढ़ाये जाने वाले विषय

- | | | |
|----|---------------------------------|----------|
| 1. | मिडवाइफरी एन्ड मैटरनिटी नर्सिंग | 10 घन्टे |
| 2. | मनोविज्ञान | 30 घन्टे |
| 3. | समाजशास्त्र | 30 घन्टे |
| 4. | परिवार नियोजन एवं परिवार कल्याण | 15 घन्टे |
| 5. | न्यूट्रीशन | 30 घन्टे |
| 6. | इमरजेन्सी नर्सिंग एवं फर्स्टऐड | 15 घन्टे |

3.

क्र. सं.	सेमिस्टर	थ्योरी केन्द्र पर	अस्पताल व्यावहारिक प्रशिक्षण	फील्ड व्यवहारिक प्रशिक्षण
1.	तृतीय	बैच जनवरी 1 से 28 फरवरी तक बैच जुलाई 1 से 31 अगस्त तक	1 मार्च से 30 अप्रैल तक 1 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक उपरोक्त प्रशिक्षण काल में कम से कम एक सप्ताह की ड्यूटी नगरीय परिवार कल्याण केन्द्र पर काम करना होगा।	1 मई से 30 जून तक 1 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक निर्धारित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

पढ़ाये जाने वाले विषय

- | | | |
|----|-------------------------------|-----------|
| 1. | न्यूट्रीशन ऐजुकेशन | 15 घन्टे |
| 2. | हेल्थ प्राब्लेम | 15 घन्टे |
| 3. | संचाई रोग | 60 घन्टे |
| 4. | मानसिक रोग | 15 घन्टे |
| 5. | बेसिक मेडिसन एवं फार्माकोलोजी | 150 घन्टे |

18 माह (एक साल छः महिने) के प्रशिक्षण के दौरान परिवार नियोजन व परिवार कल्याण के पाठ्यक्रम का शैड्यूल निदेशक द्वारा निर्धारित 20 अगस्त, 1981 को निर्धारित सारिणी अनुसार होगी।

इसके अतिरिक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ती (ए0एन0एम) के पाठ्यक्रम विनियम व पाठ्य वस्तुएं उसी प्रकार होगी जैसा कि भारतीय नर्सिंग काउन्सिल द्वारा वर्ष 1977 में संशोधित की गयी है।

भविष्य में भी प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम यदि भारतीय नर्सिंग काउन्सिल द्वारा परिवर्तित किया जाता है तो उसी प्रकार का संकाय द्वारा भी लागू किया जायेगा जिसके विरुद्ध किसी प्रकार का वाद मान्य नहीं होगी।

नोट :- परीक्षा की फीस तथा परीक्षकों के भत्ते आदि के सम्बन्ध में संकाय के अन्य परीक्षाओं के सम्बन्ध में जिस प्रकार देय है उसी प्रकार अनुपातिक रूप में दिया जायेगा।

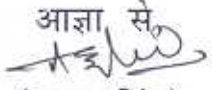
11. उपान्तरण की सीमा :- उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा संकाय नियमावली, 1926 को उत्तरांचल के प्रयोजनार्थ उक्त सीमा तक उपान्तरित किया जाता है।

आज्ञा से,
आलोक कुमार जैन
सचिव

संख्या : 1519(1)/चि-2-2002-223/2002 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश।
2. सचिव, महामहिम राज्यपाल, उत्तरांचल।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तरांचल शासन को मा0 मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ।
4. निजी सचिव, मा0 स्वास्थ्य मंत्री, उत्तरांचल शासन को मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
5. महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तरांचल, देहरादून।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
7. अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प0क0, गढ़वाल/कुमाँयू मण्डल, पौड़ी गढ़वाल/नैनीताल।
8. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तरांचल।
9. उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि उक्त अधिसूचना को गजट में प्रकाशित कर अधिसूचना की 200 प्रतियां शासन को भिजवाने का कष्ट करे।
10. चिकित्सा अनुभाग-1, 3।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)
अनु सचिव

In pursuance of the provisions of article (3) of Article 348 of the constitution, the Governor is pleased to order the publication of the following English Translation of Notification No. 1519/M-2-2002-223 /2002 dated, 07 November, 2002

UTTARANCHAL GOVERNMENT
MEDICAL SECTION - 2
No. 1519/M-2-2002-223/2002
Dehradun: Dated 07 November, 2002

NOTIFICATION
MISCELLANEOUS

Whereas under section 87 of Uttar Pradesh Reorganization Act 2000 the Uttaranchal Government may by order, make such adaptation and modification of the law by way of repeal or amendment as necessary or expedient;

And where as The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 framed is inforce in the state of Uttaranchal under section 86 of the Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000;

Now, therefore in exercise of the powers under section 87 of Uttar Pradesh Reorganisation Act, 2000 (Act. No. 29 of 2000), the Governor is pleased to direct that The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 shall have applicability to the State of Uttaranchal subject to the following order :-

Uttaranchal (The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926)
Adaptation and Modification order, 2002

1. Short title and commencement :-
 - (1) This order may be called Uttaranchal (The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926) Adaptation and Modification order, 2002.
 - (2) It shall come into force at once.
2. In the Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 wherever the word 'Uttar Pradesh'; 'Imperial Bank' 'Lucknow' has occurred it shall be read as 'Uttaranchal'; 'State Bank of India' and 'Dehradun' respectively.
3. In the Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the description of chapter Two (ii) shall stand deleted.
4. In the Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the chapter Three (iii) which is regarding examination of the Nurses and Mid-wives shall be read as follows :-

The words Mid-wives; Certificated Nurse and Certificated Mid-wives wherever referred shall stand deleted.

Part - III
General Regulation

- 1) (a) The minimum qualification for admission in nursing shall be Intermediate, preferably with science subjects. The minimum qualification shall be such as is altered for these courses by the Nursing Council of India. Every year the candidates in the state institutions shall be admitted twice in a year in June and December after they are being screened and merited in accordance the state reservation policy by the Director General Medical Health and Family Welfare Uttaranchal after taking their written/oral examination.
(b) The word is "certificated Mid-wife" shall stand deleted.
- 2) (a) In Paragraph of 2 the word "certificated Nurse" shall stand deleted.
(b) Nurses shall have one category.
- 3) In paragraph of 3 the time for Diploma in Mid-wifery shall be of six months. The word "trained Diploma in Mid-wifery" shall stand deleted.
- 4) In paragraph of 5 the word "Certificate Nurse and Mid-wife Certificate" shall stand deleted.
- 5) In paragraph 6 of rule the remuneration for examiners shall be as follows.

For setting of each paper	Rs. 1000.00
For examining each copy	Rs. 25.00
And for per candidate oral and practical examination shall be	Rs. 25 and 75 respectively.
- 6) In paragraph of 8 the following hospitals are named :-

S.No.	Name of Hospital and District
1.	Doon Female Hosptial
2.	Almora Distt. Female Hospital
3.	Haldwani Female Hospital
4.	Pithoragarh Distt. Female Hospital
5.	Chamoli Distt. Hospital
6.	SPS Hospital Rishikesh
7.	Nainital Distt. Female Hospital

- 7) In paragraph of 9 wherever the word "matron" has occurred it shall be read as "Matron/Assistant Matron".
- 8) In paragraph of 10 the fee per candidate shall be as follows :-

For First Year examination in Nursing	Rs. 500.00
For Final Year examination in Nursing	Rs. 500.00

For Diploma Mid-wifery examination	Rs. 500.00
For Male diseases examination	Rs. 500.00
For any second copy of Diploma	Rs. 500.00

- 9) In paragraph of 12 the word "certification" shall stand deleted.
 - 10) In paragraph 13 of clause (C) following shall be substituted, 'for nursing course after first three months their will be PTS examination, after passing this examination their will be capping ceremony' (Each candidate shall be allowed two attempts to pass the PTS examination, the candidate who cannot pass the PTS examination in two attempts shall not be allowed to undergo Nursing Education). Candidates shall be allowed in first year nursing examination after 12 months of attending theoretical classes and completing hospital training.
 - 11) In paragraph 15 clause (B) of rules following shall be substituted that the second nursing examination shall be held for the candidate after completion of different hospital training and scheduled theoretical classes.
 - 12) In paragraph 21 clause (A and B) of rules following shall be substituted that the candidates having completed General Nursing Diploma Course and the rest shall stand deleted.
 - 13) In paragraph 24 of rules the contents shall stand deleted.
5. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the description of chapter Four (iv) shall stand deleted.
 6. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 in chapter Five (v) which deals with Radiological (X-Ray) Technician (Radiographers) and Laboratory Technician the following shall be read.
 - 1) In paragraph of (1) the Lab Technicians practical eligibility of training under any clinical pathologist or physician shall stand deleted.
 - 2) In paragraph (2) of rule following shall be substituted for the available post of Radiographer and Lab Technicians in appendix the applications shall be directly sent to the secretary Uttaranchal State Medical Faculty, Dehradun. After receipt of all applications the Director General Medical, Health and Family Welfare shall examine the candidates if required by holding examination (written/oral or written and oral). The merit list of successful candidates in reserved and unreserved seats shall be prepared. The admission in different institute shall be made on the basis of same.
 - 3) In paragraph of (5) the minimum qualification for Lab Technician shall be substituted.
 - 4) In paragraphs (6) the radiographer (X-Ray technician) Radiological Technician and Laboratory shall be taught and trained by medical colleges (which are recognized by Medical Council of India and Uttaranchal State Medical Faculty. In conjunction with District Hospital Dehradun and Base Hospital Haldwani for seats allotted by the state.

- 5) In paragraph (7) every Radiographer (X-Ray Technician) shall have to be deposit Rs. 2000.00 as caution money, which shall be return after submission of no dues certificate by each candidate after the education and training. The above shall be in addition to the scheduled education charges by medical colleges.
- 6) The examination fees for every exam each candidate shall be Rs. 500.00, which shall have to be deposited to Uttaranchal State Medical Faculty. The examination shall be conducted and consequently the award of diploma be made by the faculty.
7. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the chapter Six (vi) shall stand deleted.
8. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the chapter Seven (vii) the Health Visitors Course of Two years and six months (2 ½ years) shall be read as follows:-
9. The Basic Female Health Worker who has undergone the teaching and training course of Auxiliary Nurse Mid-wife (which is at present drafted by Nursing Council of India and modified in 1977) and have completed five years satisfactory government service or in an order decided by the Director General. They shall be trained for six month of teaching and training as decided and then given the Health Visitors Diploma. Direct admissions to Health Visitors Course shall stand stopped till the next order of Director General / State.
10. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the chapter Eight (viii) shall stand deleted.
11. In The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 the chapter Nine (ix) shall deal with the admission eligibility, an course of study of Auxiliary Nurse Mid-wife (basic female health worker) as follows:-

Basic Female Health Worker (A.N.M.) shall be minimum High School (Vidyabinodani not acceptable) but if the candidate has passed Intermediate examination after Vidyabinodani then she shall be consider for selection.

The time of training shall be 18 months (One year six months). The admission to the course shall be given twice each year.

The calendar for training shall be as given below:

1.

Sl. No.	Semester	Theory (at Centre)	Hospital Practical Taining	Field practical Training
1.	First	Batch Jan. 1 to 28 Feb.	1 March to 30 April	1 May to 30 June
		Batch July 1 to August 31	1 September to 31 October (in General Hospital)	1 November to 31 December

Subject to be taught

1.	Anatomy Physiology	60 hours
2.	Microbiology	15 hours
3.	Introduction to Nursing and Nursing procedure	15 hours 45 hours
4.	Hygiene	30 hours
5.	Child Health	30 hours
6.	Maternal Health	15 hours
7.	Domiciliary Mid-Wifery	15 hours
8.	Health Education	30 hours
9.	Communication skill and A.V. Aiders	15 hours
10.	Introduction to Family and Community Health	15 hours

2.

Sl. No.	Semester	Theory (at Centre)	Hospital Practical Taining	Field practical Training
1.	Second	Batch Jan., 1 July to 31 August	1 September to 31 October	1 November to 31 December
		Batch July, 1 January to 28 February	1 March to 30 April (in Female Hospital)	1 May to 30 June (At scheduled P.H.C.)

Subject to be taught

1.	Mid-Wifery and Maternity Nursing.	10 hours
2.	Psychology	30 hours
3.	Sociology	30 hours
4.	Family Planning and Family Welfare	15 hours
5.	Nutrition	30 hours
6.	Emergency Nursing and First-aid.	15 hours

3.

Sl. No.	Semester	Theory (at Centre)	Hospital Practical Taining	Field practical Training
1.	Third	Batch Jan. 1 to 28 February	1 March to 30 April	1 May to 30 June
		Batch July 1 to August 31	1 September to 31 October (in above training atleast one week should be at city family welfare centre)	1 November to 31 December (At scheduled P.H.C.)

Subject to be taught

1.	Nutrition Education	15 hours
2.	Health Problem	15 hours
3.	Communicable diseases	60 hours
4.	Mental Health	15 hours
5.	Basic Medicine and Pharmacology	150 hours

In 18 months (One year six month) training the Family Planning and Family Welfare Schedule shall be has fixed by the Director in order dated 20th August 1981.

The other syllabus of Basic Female Health Worker (A.N.N.) shall be has decided by the Nursing Council of India after revision in 1977.

In future if the syllabus is change by Indian Nursing Council then the State faculty shall also be adopting the same, against which no complaint or suit can be filed.

Note: The details of examination fees and remuneration of examination etc. shall be decided in proportion to the existent faculty rules.

11. **Extent of Modification:** The Uttar Pradesh State Medical Faculty Rules, 1926 is modified to the above extent for the purpose of Uttaranchal State.

By Order,
Alok Kumar Jain
Secretary